

भारतीय वायुसेना से चीन की वायुसेना भी पीछे विकास और ग्रामीण उद्यमिता की एक नई इबारत लिख रहा सोनभद्र

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। रिपोर्ट के मुताबिक, डब्ल्यूडीएमएम की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय वायुसेना से चीन की वायुसेना भी पीछे है। ऊपर केवल अमेरिका और रूस की ही वायुसेनाएं हैं। रैंकिंग में 2022 के बाद से भारतीय वायुसेना ने पांचवी बार चीन की वायुसेना को भी पछाड़ा है। खास बात ये है कि भारत अब तक कुल छह बार अमेरिका और रूस के बाद तीसरे स्थान पर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायुसेना के पास लड़ाकू, परिवहन, हेलीकॉप्टर, प्रशिक्षण और विशेष मिशन वाले विमानों का संतुलित बेड़ा है।

डब्ल्यूडीएमएम हर साल 103 देशों की 129 वायु सेनाओं का आकलन करता है। इसमें दुनिया भर के 48,000 से अधिक सैन्य विमानों का विश्लेषण किया जाता है।

रैंकिंग संगठन की टू वैल्यू रेटिंग प्रणाली पर आधारित होती है। बेड़े की संरचना, तकनीकी क्षमता, लॉजिस्टिक सपोर्ट, आधुनिकीकरण और कुल ऑपरेशनल क्षमता को भी आधार बनाया जाता है। इसमें एयर फोर्स के पूरे बेड़े की विविधता और उसकी आपरेशनल क्षमता को अधिक महत्व दिया जाता है।

हवाई ईंधन भरने वाले विमान, एयरबोर्न अल्टी वॉनिंग सिस्टम, परिवहन विमान, प्रशिक्षण विमान, खुफिया जानकारी जुटाने वाले प्लेटफॉर्म और क्लोज एयर सपोर्ट विमान जैसे विशेष प्लेटफार्म भी रैंकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भविष्य की खरीद योजनाओं और स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमता को भी आकलन में शामिल किया जाता है।

वायुसेना के पास इस समय कुल 1,716

विमान हैं। इनमें सात प्रकार के 542 लड़ाकू विमान शामिल हैं। इस आंकड़े में सितंबर 2025 में सेवा से हटाए जा चुके मिग-21 विमानों को भी शामिल किया गया है। वायुसेना के बेड़े में 498 हेलीकॉप्टर भी हैं। इनमें 222 एमआइ-17 हेलीकॉप्टर और स्वदेशी एचएएल ध्रुव तथा रुद्र के 111 प्लेटफॉर्म शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय वायुसेना के पास 282 परिवहन विमान और 374 प्रशिक्षण विमान हैं। इनमें 325 विमान केवल प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

वायुसेना के बेड़े में 20 विशेष मिशन विमान भी शामिल हैं। इनमें एयरबोर्न अल्टी वॉनिंग सिस्टम, खुफिया जानकारी जुटाने वाले प्लेटफार्म और हवा में ईंधन भरने वाले विमान शामिल हैं, जो लंबी दूरी तक संचालन और निगरानी क्षमता बढ़ाते हैं।

प्रमोद कश्यप/एजेंसी, लखनऊ। चार राज्यों की सीमाओं से सटा सोनभद्र और उसका आसपास का क्षेत्र, जो कभी माओवाद और नक्सलवाद की हिंसक गतिविधियों के लिए देश भर में जाना जाता था, आज विकास और ग्रामीण उद्यमिता की एक नई इबारत लिख रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार ने इस पूरे क्षेत्र का परसेप्शन बदल दिया है। जिस धरती पर कभी नक्सलियों की बंदूकें गरजती थीं, खौफ का माहौल था, आज स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी आदिवासी महिलाएं श्रीअन्न आधारित उत्पाद तैयार कर सफल बिजनेस चला रही हैं।

सोनभद्र की मुख्य विकास अधिकारी

जागृति अवस्थी के अनुसार, जिला लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से कटा रहा, जिससे यहां सीमित रोजगार और असुरक्षा जैसी गंभीर चुनौतियां थीं।

योगी सरकार के आने के बाद सड़क, बिजली, शुद्ध पेयजल और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं को सुदूर गांवों तक पहुंचाया गया। सरकारी योजनाओं की पारदर्शी पहुंच ने जमीन पर हालात बदले हैं। जिन गांवों की पहचान कभी भय से होती थी, वहां की ग्रामीण महिलाएं आज अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाकर अपने परिवारों को मजबूत आर्थिक संबल दे रही हैं।

योगी सरकार की श्रीअन्न प्रोत्साहन नीति का सबसे बड़ा लाभ यहां की जनजातीय महिलाओं को मिला है।

एथेनॉल के नाम पर चावल की हेराफेरी का मामला सामने आया

सुंदर रैकवार/एजेंसी, भोपाल/बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट व सिवनी जिलों में एथेनॉल के नाम पर चावल की हेराफेरी का मामला सामने आया है। इस मामले में आठ राइस मिलरों को नोटिस थमाया गया है। 13 मिल संचालकों पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी है। मामले की जांच एसआईटी कर रही है। जांच अधिकारियों ने आशंका जताई है कि 17 जिलों के 22 एथनाल प्लांटों का करीब 1100 करोड़ रुपये का चावल खपाया गया है।

तीन जून को बालाघाट में 242 क्विंटल सरकारी चावल का ट्रक पकड़े जाने से खुला। महीनेभर चल रही इस कार्रवाई में पुलिस कड़ी से कड़ी जोड़कर आगे बढ़ रही है। 40 दिनों से फरार राइस मिलर सौरभ संचेती और उसके पिता गंभीर संचेती का अब तक सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस का मानना है कि उनकी गिरफ्तारी से कई परतें खुलेंगी।

एसआईटी ने मामले में ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे, एथेनॉल प्लांट के एजेंट राहुल

केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बने

भारत के किसी भी जनपद, तहसील या थाना क्षेत्र में केशरी दर्पण समाचार पत्र के पत्रकार बनने के लिए संपर्क करें। आप केशरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट से भी के माध्यम से भी पत्रकार बन सकते हैं। समाचार पत्र की वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करें लॉगिन करें आप स्वयं केसरी दर्पण समाचार पत्र की वेबसाइट पर समाचार फोटो आदि भी अपलोड कर सकते हैं। सोनीपत जनपद में श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री कृष्ण पाल, सोनीपत मो. 9416957607 निवेदक-सुभाष चंद, संपादक, केशरी दर्पण (हिंदी साप्ताहिक) 9837749557

www.kesharidarpan.com

प्रताप, सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव व सिवनी के ट्रांसपोर्टर उबेद खान को गिरफ्तार किया। एसआईटी हेराफेरी की तह तक जाने के लिए ट्रक मालिक, ट्रक चालक, राइस मिलर व प्लांट प्रबंधन के लोगों से पूछताछ कर रही है। बालाघाट के कई नामी और राजनीतिक रसूख वाले राइस मिलर के नाम भी हैं। हेराफेरी फोटिफाइड चावल की हुई है। एसपी आदित्य मिश्रा ने कहा कि एसआईटी का

गठन कर मामले की जांच की जा रही है। एथेनॉल निर्माण के लिए मप्र सरकार ने एफसीआइ के गोदामों में रखे पुराने चावल का इस्तेमाल की नीति बनाई है। वर्ष 2025 की नीति के तहत बालाघाट के एफसीआइ गोदाम से अनुबंध के तहत चावल छिंदवाड़ा स्थित एथनाल प्लांट भेजा जाना था, लेकिन राइस मिलर और एथेनॉल प्लांट के सिंडिकेट ने प्लांट जा रहे चावल का रास्ते में ही खेल कर दिया।

जल-भराव से कार के इंजन में खराबी आ जाती

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। बरसात में इंजन खराब होने की आशंका प्रबल हो जाती है। अपार्टमेंट के बेसमेंट स्थित पार्किंग में पानी भरने और अन्य जगहों पर जल-भराव होने से कार के इंजन में खराबी आ जाती है, जिसकी मरम्मत में कई बार भारी-भरकम खर्च आता है। ऐसे में कार इंश्योरेंस में इंजन कवर को शामिल कर लेने पर इस प्रकार के खर्च से बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि कार इंश्योरेंस लेने के दौरान जीरो डेप्रीसिएशन कवर लेने पर ही इंजन का कवर ले सकते हैं। बिना

जीरो डेप्रीसिएशन कवर के आप इंजन का कवरेज नहीं ले सकते हैं। इंजन बारिश के पानी के अलावा ईंधन में खराबी के कारण भी खराब हो सकता है। कार का सबसे महंगा पार्ट इंजन ही होता है। इसलिए इसका कवरेज महत्वपूर्ण है।

इंजन कवर लेने से गियर बाक्स व संबंधित पार्ट्स की मरम्मत व रिप्लेसमेंट को बदलने में मदद मिलती है। सामान्य कार इंश्योरेंस में क्लेम के दौरान कंपनियां पार्ट्स की उम्र व उसके वैल्यू के आधार पर उसमें डेप्रीसिएशन काट लेती है। लेकिन जीरो डेप्रीसिएशन इंश्योरेंस लेने पर

क्लेम में खराब होने वाले पार्ट्स का पूरा पैसा मिल जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर या लंबी दूरी की यात्रा के दौरान कार में खराबी आने पर इस प्रकार की इंश्योरेंस सेवाएं अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

कार इंश्योरेंस में एक कवरेज रिटर्न टू इनवॉयस कवर का भी होता है। सामान्य तौर पर कार चोरी होने पर इंश्योरेंस कंपनियां कार के वर्तमान बाजार मूल्य के हिसाब से भुगतान करती हैं। हालांकि इस कवर को लेने पर कार चोरी या क्षतिग्रस्त होने पर कार के नए मॉडल की ऑन रोड कीमत तक कंपनियां दे सकती हैं।

नए मतदाताओं के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया में नया प्रविधान

विशाल कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। पहली बार मतदाता सूची में नाम जुड़वाने वाले नए मतदाताओं के लिए चुनाव आयोग ने ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया में नया प्रविधान लागू किया है। अब फॉर्म-6 भरने वाले आवेदकों को अपने माता-पिता की विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़ी जानकारी भी देनी होगी। ऑनलाइन आवेदन के दौरान यह घोषणा-पत्र नहीं भरा जाता, तो आगे नहीं बढ़ सकेगा।

माता-पिता यदि पिछली एसआईआर प्रक्रिया में शामिल रहे हैं तो आवेदक को उनके विधानसभा क्षेत्र, पोलिंग बूथ और मतदाता सूची में दर्ज क्रमांक की जानकारी देनी होगी। यदि वे एसआईआर में शामिल नहीं थे तो इसका विकल्प चुनते हुए उनके नाम और यदि उपलब्ध हों, तो ईपीआईसी नंबर दर्ज करने होंगे।

चुनाव आयोग का कहना है कि इससे नए मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में आसानी होगी और कई मामलों में अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत भी कम पड़ेगी। आयोग ने यह भी दोहराया कि एसआईआर का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को शामिल करना और मृत, डुप्लीकेट, स्थानांतरित या विदेशी मतदाताओं के नाम हटाना है।

इस नई व्यवस्था को लेकर सवाल भी उठे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विशेषज्ञों का कहना है कि फॉर्म-6, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और मतदाता पंजीकरण नियमों के तहत निर्धारित प्रारूप का हिस्सा है। ऐसे में इसमें बदलाव के लिए केंद्र सरकार की अधिसूचना और राजपत्र में संशोधन आवश्यक होता है। अब तक ऐसा कोई संशोधन सार्वजनिक

रूप से जारी नहीं हुआ है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूतों ने भी एसआईआर प्रक्रिया की पारदर्शिता पर चिंता जताई है, जिसे चुनाव आयोग ने खारिज करते हुए पूरी प्रक्रिया को संवैधानिक और पारदर्शी बताया है।

अब पहली बार वोटर बनने के लिए ऑनलाइन फॉर्म-6 भरने वाले हर आवेदक को यह बताना होगा कि उसके माता-पिता पिछली एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया में शामिल थे या नहीं। यह जानकारी दिए बिना ऑनलाइन आवेदन पूरा नहीं होगा।

आवेदक को संबंधित विकल्प चुनना होगा और माता-पिता का नाम तथा उपलब्ध होने पर उनका ईपीआईसी नंबर दर्ज करना होगा। आयोग का कहना है कि इससे नए मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में मदद मिलेगी और आवेदन के साथ अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की जरूरत कम होगी।

कानूनी विशेषज्ञों का तर्क है कि फॉर्म-6 का प्रारूप कानून के तहत तय है। इसमें किसी भी बदलाव के लिए केंद्र सरकार की अधिसूचना और राजपत्र में संशोधन जरूरी होता है। अब तक ऐसा कोई संशोधन सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

18 वर्ष पूरे कर पहली बार वोटर बनने वाले युवाओं को अब अपने या माता-पिता के पुराने एसआईआर रिकॉर्ड की जानकारी जुटानी पड़ सकती है। जिनके पास यह जानकारी नहीं होगी, उनके आवेदन की प्रक्रिया कैसे होगी, इस पर चुनाव आयोग ने अभी स्पष्ट निर्देश जारी नहीं किए हैं।

उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण महायज्ञ कार्यक्रम

नितिन कुमार सिंह, बागपत। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरे उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण महायज्ञ कार्यक्रम, जिसमें जनपद बागपत को भी 15 लाख पौधारोपण करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके क्रम में जनपद बागपत के ग्राम बिजरौल में दिल्ली देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर बिजरौल कट पर आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ 2026 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार में वन एवं पर्यावरण जंतु उद्यान राज्य मंत्री केपी मलिक जी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन आयुष विभाग के प्रमुख सचिव एवं जनपद नोडल अधिकारी रंजन कुमार तथा जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने भी हवन-पूजन कर वृक्षारोपण महायज्ञ में सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री केपी मलिक जी ने बरगद का पौधा रोपित किया। वृक्ष प्रकृति के अमूल्य उपहार हैं और इनके संरक्षण तथा संवर्धन से ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रदान किया जा सकता है।

वन एवं पर्यावरण विभाग की ओर से 501 पौधों की पंचवटी वाटिका की स्थापना को पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत और जनजागरूकता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया है। पंचवटी वाटिका पांच पवित्र एवं

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है।

छायादार वृक्षों के समूह का प्रतीक है, जो भारतीय परंपरा में प्रकृति के संतुलन और जीवन के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है।

पंचवटी में सामान्यतः पीपल, बरगद, बेल, अशोक और आंवला जैसे पांच महत्वपूर्ण वृक्षों का रोपण किया जाता है। ये वृक्ष पर्यावरणीय संतुलन, जैव विविधता, औषधीय गुणों और मानसिक शांति के लिए विशेष महत्व रखते हैं। विभाग ने बताया कि पंचवटी की अवधारणा हमारे पौराणिक ग्रंथों में वर्णित पंचमहाभूत पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से प्रेरित है, जिनसे संपूर्ण सृष्टि की रचना मानी गई है।

वाटिका केवल वृक्षों का समूह नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति श्रद्धा, संरक्षण और संतुलित जीवन शैली का प्रतीक है। मानव शरीर की पूर्णता जिस प्रकार पांच ज्ञानेन्द्रियों और पांच कर्मेन्द्रियों से मानी गई है, उसी प्रकार पंचवटी वाटिका को पर्यावरणीय पूर्णता का प्रतीक माना गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार आयुष विभाग प्रमुख सचिव जनपद नोडल अधिकारी रंजन कुमार ने कहा कि पंचवटी की संरचना में आयुर्वेद, मनोविज्ञान, उद्यानिकी, वानिकी,

वास्तुशास्त्र और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े गहन ज्ञान का समावेश है। इन वृक्षों से वातावरण शुद्ध होता है, भूमि की उर्वरता बढ़ती है, जैव विविधता को संरक्षण मिलता है तथा लोगों को प्राकृतिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होते हैं।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी और भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए और पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, मुख्य विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह मुख्य वन संरक्षक मेरठ के एलांगो, वन संरक्षक आदर्श सिंह, डीएफओ विनोद कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व विनीत कुमार उपाध्याय, परियोजना निदेशक राहुल वर्मा सहायक संचारीय परिवहन अधिकारी विपिन कुमार, जिला विकास अधिकारी, वन क्षेत्र अधिकारी बागपत श्रवण कुमार, बड़ौत सुनेद्र कुमार सहित आदि अधिकारी कर्मचारी, स्थानीय नागरिकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण महायज्ञ कार्यक्रम में सहभागिता कर सभी ने पौधारोपण किया।

हरिद्वार जाने वाले यात्रियों के लिए सीधी वातानुकूलित बस सेवा शुरू

सोनीपत से हरिद्वार रूट पर एसी बस सेवा के अलावा हरिद्वार के लिए पहले से संचालित तीन सामान्य बसों का परिचालन भी जारी रहेगा।

अंजू देवी, सोनीपत। रोडवेज ने हरिद्वार जाने वाले यात्रियों के लिए सीधी वातानुकूलित बस सेवा शुरू कर दी है। इस सेवा के शुरू होने से न केवल श्रद्धालुओं को बल्कि पर्यटकों को भी काफी राहत मिलेगी, जिन्हें अब हरिद्वार पहुंचने के लिए दिल्ली या अन्य शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे।

एसी बस प्रतिदिन सुबह 5.20 बजे सोनीपत बस अड्डे से अपनी यात्रा शुरू करेगी। बस पानीपत मार्ग से होते हुए आगे बढ़ेगी और लगभग 10 बजे तक हरिद्वार पहुंचेगी। इस रूट के निर्धारण से सुबह जल्दी यात्रा करने वाले यात्रियों को अपने गंतव्य तक समय पर पहुंचने में मदद मिलेगी। हरिद्वार गंगा स्नान और अन्य धार्मिक कार्यों के लिए जाने वाले यात्रियों की संख्या सोनीपत में काफी अधिक है। पहले यात्रियों को अक्सर सामान्य बसों में लंबी यात्रा करनी पड़ती थी, जिससे उन्हें काफी थकावट होती थी। अब एसी बस सेवा शुरू होने से गर्मी के मौसम में भी भक्तों

और पर्यटकों का सफर बेहद आरामदायक और सुविधाजनक हो गया है। इस सेवा की मांग देखते हुए भविष्य में बसों की संख्या में और इजाफा किया जा सकता है।

यात्रियों की सुविधा के लिए वापसी का समय भी तय कर दिया गया है। यह बस प्रतिदिन हरिद्वार से दोपहर 11:30 बजे सोनीपत के लिए रवाना होगी, जिससे दोपहर बाद तक यात्री अपने शहर वापस लौट सकेंगे। रोडवेज ने इस एसी बस सेवा का किराया मात्र 440 रुपये निर्धारित किया है, जो निजी बसों की तुलना में काफी किफायती है।

सोनीपत से हरिद्वार रूट पर एसी बस सेवा के अलावा हरिद्वार के लिए पहले से संचालित तीन सामान्य बसों का परिचालन भी जारी रहेगा। जो यात्री सामान्य बसों में यात्रा करना चाहते हैं, उनके पास विकल्प उपलब्ध रहेगा। रोडवेज का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यातायात उपलब्ध कराना है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए हरिद्वार रूट पर एसी सेवा शुरू की गई है। यात्रियों की मांग पर रोडवेज ने एसी बस सेवा शुरू कर दी है। यह एक दिन में आवागमन करेगी। इससे यात्रियों के लिए सीधी फायदा मिलेगा। इसके अलावा तीन सामान्य बस भी हरिद्वार रूट पर चलाई जा रही है।

कोशिश करो

तैयार रहो

सेवा करो

श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन

पंजीकरण संख्या- S/703/2014-दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 2014, संपूर्ण भारतवर्ष
वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंडिपेंडेंट स्काउट्स-गाइड्स जर्मनी से भी संबंध
प्रधान कार्यालय: निर्भय एनक्लेव, खेकड़ा (बागपत) उ.प्र. पिन-250101
Email:- subhashchand4@gmail.com, Mob- 09837749557- 7906984078



संपूर्ण भारतवर्ष में श्रीराम बाजपेयी स्काउट-गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया के माध्यम से, स्काउट-गाइड प्रशिक्षण कैंप, स्पोर्ट्स एक्टिविटीज, सिलाई सेंटर हेतु संपर्क करें।
स्काउट गाइड संस्थाओं NCC, NSS से जुड़े भाई-बहनो जुड़ने को प्राथमिकता।

(सुभाष चंद कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव, श्रीराम बाजपेयी स्काउट गाइड एसोसिएशन)

बीएड प्रथम वर्ष-26 की प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाओं का चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने नया कार्यक्रम जारी किया

पूजा, मेरठ। बीएड कालेजों की बीएड प्रथम वर्ष-26 की प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाओं का चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। नए कार्यक्रम के अनुसार यह परीक्षाएं अब आगामी 16 जुलाई से शुरू होंगी। साथ ही आगामी 22 अगस्त तक चलेंगी। दो दिन में 50 अथवा उससे अधिक कालेजों की परीक्षाएं होंगी।

वर्ष-26 की बीएड प्रथम वर्ष की प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाएं पहले 14 जुलाई से लेकर 18 सितंबर तक कराने की वश्वविद्यालय ने घोषणा की थी। विश्वविद्यालय ने अचानक यह कार्यक्रम निरस्त कर दिया। हजारों छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी हुई। छात्र-छात्राओं ने परीक्षाएं निरस्त करने का विरोध भी किया। परीक्षा देने वाले हजारों छात्र-छात्राएं पूर्वी

उत्तर प्रदेश और बिहार से भी हैं।

प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित होते ही सभी ने अपने ट्रेन के रिजर्वेशन करा लिए थे। यह परीक्षाएं निरस्त होने के कारण उनको अपने रिजर्वेशन निरस्त कराने पड़े। जिससे सभी को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा।

शनिवार को विश्वविद्यालय ने परीक्षा का नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव ने अब निरस्त की गई सभी प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाएं 16 जुलाई से 22 अगस्त तक कराने का कार्यक्रम घोषित किया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार दो दिन में करीब 50 अथवा उससे अधिक कालेजों की परीक्षाएं होंगी। परीक्षा की तिथि के हिसाब से कालेजों के कोड जारी किए गए हैं।

पहले दो दिन 16 एवं 17 जुलाई को

करीब 52 बीएड कालेजों की परीक्षाएं होंगी। इसी तरह अन्य तिथियों में भी परीक्षाएं रखी गई हैं। अंतिम तिथि 21 व 22 अगस्त में 24 बीएड कालेजों की प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षाएं होंगी।

प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षा से पूर्व आंतरिक परीक्षाओं के अंक भी अपलोड करने के लिए परीक्षा नियंत्रक ने कहा है। प्राचार्यों से कहा है कि बीएड द्वितीय वर्ष-26 की प्रयोगात्मक व मौखिक परीक्षाएं संपन्न हो चुकी हैं। अनेक छात्र-छात्राओं के आंतरिक परीक्षा के अंक अपलोड न होने के कारण प्रयोगात्मक एवं मौखिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सके। ऐसे ही बीएड प्रथम वर्ष में हुआ कहा है कि इन परीक्षा से पूर्व आंतरिक परीक्षा के अंक पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें। ताकि छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हो सके।

पुलिस फरार आरोपितों तक पहुंचने के लिए दबिश दे रही

सुरजीत कश्यप, संभल/बहजोई। पुलिस 162 फर्जी पट्टा आवंटन घोटाले की परतें खोलने में जुटी फरार आरोपितों तक पहुंचने के लिए लगातार दबिश दे रही है। इस बहुचर्चित मामले में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि कुल 19 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। विवेचना के दौरान एक वर्तमान एसडीएम, राजस्व विभाग और चकबंदी विभाग के कई कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। पुलिस इससे पहले तत्कालीन एसडीएम ओमवीर सिंह समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

तत्कालीन तहसीलदार रहे और वर्तमान में सुल्तानपुर में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात रहे निलंबित पीसीएस अधिकारी करम सिंह चौहान सहित अन्य फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस

संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस की टीम जिले के अलावा अन्य जनपदों में भी संभावित ठिकानों की जानकारी जुटा रही है। विवेचना के दौरान डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य भी एकत्रित किए जा रहे हैं, ताकि आरोपितों के खिलाफ मजबूत साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके।

गुनौर पुलिस का कहना है कि मुकदमे में नामजद सभी आरोपितों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है। अब तक छह आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद शेष फरार आरोपितों की तलाश पुलिस की प्राथमिकता बनी हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस लगातार गोपनीय तरीके से कार्रवाई कर रही है। विवेचक अखिलेश प्रधान ने बताया कि मामले में लगातार दस्तावेजी और अन्य साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

भाजपा ने गरीबों को हमेशा धोखा दिया, गरीबों के आरक्षण में दबंगों को शामिल कर गरीबों का पिछले 26 वर्षों से मार दिया, आओ बागपत लोकसभा को भाजपा मुक्त करे

बागपत लोकसभा की जनता जनार्दन आशीर्वाद दे तो एक बार फिर 2029 में निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा

निवेदक-

सुभाष चंद कश्यप

पूर्व सांसद प्रत्याशी बागपत लोकसभा
2014 निर्दलीय, 7906984078

पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी वार्ड नंबर
11 जनपद बागपत-2015

राष्ट्रीय महासचिव श्रीराम बाजपेई स्काउट
गाइड एसोसिएशन ऑफ इंडिया

पता- कस्बा खेकड़ा जनपद बागपत उत्तर
प्रदेश -250101



सम्पादकीय.....

भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी

क्या कोविड का खतरा एक बार फिर हो सकता

क्या कोविड का खतरा एक बार फिर हो सकता है? जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में पिछले कुछ हफ्तों में कोविड-19 के आठ मामले सामने आए हैं। दो मरीजों की मौत हो चुकी है। नए मामले सामने आने और मरीजों की मौत के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और तैयारी के उपायों को तेज कर दिया है। कडप्पा के राजमपेट इलाके में एक 52 वर्षीय एक व्यक्ति को बुखार और खांसी की शिकायत हुई। जांच में व्यक्ति कोविड-19 पॉजिटिव पाया गया, जिसकी वेल्लोर के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मौत हो गई।

कडप्पा के 43 वर्षीय व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के दौरान वह कोविड-19 संक्रमित पाया गया और बाद में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। कडप्पा मेडिकल कॉलेज के 25 वर्षीय मेडिकल छात्र का भी वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है और वर्तमान में उनका होम आइसोलेशन के माध्यम से इलाज चल रहा है। 2 मौतों के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। टीम ने प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 40 लोगों के सैंपल कलेक्ट किए। रिपोर्ट के अनुसार, 18 सैंपल की रिपोर्ट नेगेटिव आई है, बाकी सैंपल की रिपोर्ट आनी बाकी है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने जिला परिषद की बैठक में बताया कि जिले में वर्तमान में कोविड-19 के आठ सक्रिय मामले हैं। वायरस के प्रकार की पहचान करने और इसके संचरण पैटर्न को समझने के लिए नमूनों को जीनोम अनुक्रमण हेतु पुणे की एक प्रयोगशाला में भेजा गया है। आंध्र प्रदेश की जिला प्रभारी मंत्री सविता ने अधिकारियों को कडप्पा में संक्रमण को और फैलने से रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। मंत्री ने जिला कलेक्टर और सीएमचओ से फोन पर बातचीत कर कोविड-19 दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारियों को बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाने वाले लोगों की पहचान करने और जहां आवश्यक हो, उन्हें अलगाव सुविधाओं में स्थानांतरित करने का भी आदेश दिया। प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता उपायों को तेज कर दिया गया है और सफाई एवं विरंजन गतिविधियां जारी हैं। मंत्री ने अधिकारियों को संक्रमित व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों की तत्काल जांच करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि जिन लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है, उन्हें आइसोलेशन वार्ड में भेजा जाए, जबकि अन्य को होम आइसोलेशन के माध्यम से निगरानी में रखा जाए। कडप्पा में कोविड-19 के मामले सामने आने के बाद, राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश भर में कोविड-19 की तैयारी के लिए अलर्ट जारी किया है। देश में एक बार फिर कोविड का डर सताने लगा है।

एके सिंह/एजेंसी, हैदराबाद। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा। इसमें लिखा था, भारत की पहली बुलेट ट्रेन अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे और हैदराबाद के बीच का पहला प्रोजेक्ट यात्रा के समय को घटाकर दो घंटे कर देगा, हैदराबाद से मुंबई की यात्रा का समय 2 घंटे 50 मिनट हो जाएगा, हैदराबाद से अमरावती का सफर 1 घंटे 10 मिनट का हो जाएगा, हैदराबाद से चेन्नई का सफर 3 घंटे का होगा, और हैदराबाद से बेंगलुरु का सफर 2 घंटे 35 मिनट का हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि तीन बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर शुरू होने से हैदराबाद एक हाई-स्पीड हब बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा आवंटित 5,400 करोड़ का भारी-भरकम रेलवे बजट तेलंगाना में

प्राधिकरण द्वारा प्रतिष्ठानों को सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण नोटिसों पर चिंता

नितिन कुमार सिंह, बागपत। बागपत लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बागपत-खेकड़ा-बड़ौत विकास प्राधिकरण द्वारा व्यापारियों, उद्योगपतियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जारी सीलिंग एवं ध्वस्तीकरण नोटिसों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। जिलाधिकारी बागपत से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने की बात कही है।

सांसद ने संयुक्त व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के सचिव प्रमोद जैन व विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उन्हें शिकायती पत्र सौंपकर अवगत कराया है कि विकास प्राधिकरण ने वर्ष 1970 से 1990 के बीच स्थापित पुराने उद्योगों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

प्रधानमंत्री ने हैदराबाद को तीन हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर दिए हैं, जो इसके परिदृश्य को बदल देंगे। पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से चेन्नई और हैदराबाद से बेंगलुरु, यह पूरे क्षेत्र के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। हैदराबाद हाई-स्पीड हब बन जाएगा। इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएं पूरी तरह से आपस में जुड़ जाएंगी।

बिना वास्तविक स्थल निरीक्षण व विधिक प्रक्रिया अपनाए, समान प्रारूप में नोटिस जारी कर दिए हैं। इस कार्रवाई से व्यापारियों में भय व असमंजस का माहौल पैदा हो गया है। सांसद ने कहा कि विकास प्राधिकरण का उद्देश्य क्षेत्र का सुनियोजित विकास करना और व्यापारियों के साथ समन्वय स्थापित करना होना चाहिए।

सभी नोटिसों की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि क्या बिना भौतिक सत्यापन के नोटिस जारी किए गए हैं। जांच पूरी होने तक इन नोटिसों के आधार पर प्रस्तावित सीलिंग, ध्वस्तीकरण अथवा अन्य किसी भी दंडात्मक कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाए। प्रत्येक प्रभावित को अपना पक्ष रखने तथा आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जाए।

केशरी दर्पण समाचार पत्र के ऑनलाइन पत्रकार बने।

www.kesharidarpan.com

पर रजिस्टर/लॉगिन करें।

KD सम्पादक सुभाष चंद
9837749557

मुख्यमंत्री योगी के आह्वान पर एक पेड़ माँ के नाम महाअभियान

नितिन कुमार सिंह, बागपत/अग्रवाल मंडी टटरी। उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर संचालित एक पेड़ माँ के नाम महाअभियान के अंतर्गत महाराणा प्रताप पब्लिक स्कूल, अग्रवाल मंडी टटरी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त अध्यापक-अध्यापिकाओं, प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर नीम, पीपल, बरगद, गूलर, जामुन, सागौन, कड़ी पत्ता, हरसिंगार, अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने इन पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीरज शर्मा जी भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र के बीच वृक्षारोपण आज केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। यदि प्रत्येक नागरिक वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण



करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध वायु और सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जा सकता है।

मनोज आर्या प्रबंधक ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रारंभ किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ मातृ सम्मान का भी प्रेरणादायी संदेश देता है। यह अभियान प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

विद्यालय परिवार ने समाज के सभी नागरिकों से अपील की कि वे जन्मदिन, विवाह, वर्षगांठ, परीक्षा में सफलता अथवा अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसकी देखभाल का संकल्प लें। वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाए।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि हर परिवार एक पौधा लगाए, हर पौधे को वृक्ष बनाए तथा एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जन-जन तक पहुँचाकर पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को जनआंदोलन का स्वरूप देंगे। इस मौके पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से लता सिसोदिया जी जिला उपाध्यक्ष भाजपा, परविंदर सिंह आर्य, पहलाद सिंह सभासद, अंकुर शर्मा, संजीव शर्मा, नीरज राजपूत, रमित राजपूत, सचिन राजपूत, सुरेश दरोगा, मनोज आचार्य, मास्टर मनोज कुमार, मनोज सिंघल, अमित मानव गौरव कुमार, बृजेश कुमार, केशव, अनिल कुमार गांधी, नवीन, चौधरी प्रेमपाल सिंह, अंजना कश्यप सविता शर्मा, मुनेश, मीना, प्रियंका आर्य, कनिष्का, अंशु, गौरव, प्रियांशी आर्य, वेदांश, आयत, आदि उपस्थित रहे।

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश

अनुष्का कश्यप/एजेंसी, नई दिल्ली। जानकारी के अनुसार, देश के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक भावित हुए हैं। भूस्खलन के चलते सड़के बंद हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मेघालय में जमकर बारिश हुई। बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मिजोरम, तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश दर्ज की गई। उत्तराखंड में भारी बारिश से भूस्खलन में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 120 सड़के बंद हो गईं।

राष्ट्रीय राजमार्ग (यमुनोत्री) का एक हिस्सा बह जाने और रास्ता दो दिन तक बंद रहने के बाद लगभग 100 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

एसडीआरएफ के अनुसार, उत्तरकाशी के स्थानाचट्टी में मलबे के कारण सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई। इसके बाद जवानों ने सावधानी से लगभग 100 यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित रास्ता पार कराया।

शनिवार को हिमाचल प्रदेश में मध्यम

से भारी बारिश के कारण शिमला में भूस्खलन हुआ। सांगला में पिछले साल निर्मित एक अस्थायी पुल ढह गया और किन्नौर जिले में बाढ़ का पानी एक मंजिला मकान में घुस गया। दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़ गया। मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने और कोई बारिश न होने का अनुमान लगाया है। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री ज्यादा था।

शनिवार शाम पहलगांम और आसपास के ऊपरी क्षेत्रों में बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हो गया। बाढ़ के कारण कम से कम आधा दर्जन होटल व घर प्रभावित हुए। प्रशासन के अनुसार, अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं है, प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं निगरानी अभियान जारी है। इससे श्रीअमरनाथ यात्रा पर कोई असर नहीं हुआ है।

पहलगांम के आवूरा और देहवाथू के वन क्षेत्र में शाम अचानक मूसलाधार बारिश हुई, जिसे स्थानीय स्तर पर बादल फटने की घटना माना जा रहा है। इसके चलते आवूरा नाले में अचानक बाढ़ आ गई। यह नाला आगे चलकर बटकूट में लिहूर नाले से मिलता है।

नोट: पत्र में छपे लेख, लेखकों के निजी विचार हैं, सम्पादक का इनसे सहमत होना अनिवार्य नहीं है। आप स्वयं जांच करें। किसी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र बागपत होगा।

RNI. No. UPHIN/2010/36806, मालिक, मुद्रक, प्रकाशक सुभाष चन्द ने इण्डियन प्रेस, राजेन्द्र नगर, मेरठ से छपवाकर कार्यालय ग्राम वाजिदपुर, पोस्ट तहसील बड़ौत, जिला बागपत से प्रकाशित किया। सम्पादक: सुभाष चन्द, मो. 9837749557, प्रबन्धक सम्पादक: राजवीर सिंह, (किसी भी विवाद के लिए बागपत न्यायालय मान्य)